LNMUonline.com

Hindi (Hons.) Paper-II

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) विद्यापति के काव्य में विरह-वर्णन की मार्मिकता पर प्रकाश डालिए।
अथवा, विद्यापति को 'मैथिल कोकिल' क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए।
(ख) कबीर की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।
LNMUonline.com
अथवा, 'कबीर भक्त हैं या कवि'-विचार कीजिए।
(ग) 'रामचरित मानस' के बालकाण्ड की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
अथवा, 'रामचरित मानस' के बालकाण्ड की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
अथवा, 'रामचरित मानस' के बाल काण्ड में वर्णित सीता-स्वयंवर के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।
(घ) वात्सल्य और श्रृंगार के कवि के रूप में सूरदास का मूल्यांकन कीजिए।
अथवा, सूरदास की भक्ति-पद्धति का विवेचन कीजिए।
(ङ) बिहारी की काव्य-कला की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
निम्नलिखित में से किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
(क) चानन भेल विषम सर रे भूषन भेल भारी।
सपनहुँ नहि हरि आएल रे गोकुल गिरधारी॥
एकसरि ठाढ़ि कदम-तर रे पथ हेरथि मुरारी।
हरि बिनु देह दगध भेल रे झामर भेल सारी॥
(ख) चरन-कमल बन्दौं हरिराई।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अन्धे को कब कछु दरसाई॥
(ग) मेरी भव बाधा हरो, राधा नागरि सोय।
जा तन की झाई परे, स्याम हरित दुति होय॥
(घ) जनम सिन्धु पुनि बन्धु विषु दिन मलीन सकलंक।
सिय मुख समता पाव किमि चन्दु बापुरो रंक॥
(ङ) कबीर निज घर प्रेम का, मारग अगम-अगाध।
सीस उतारि पगतलि धरै, तब निकटि प्रेम का स्वाद॥
निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर (शब्द सीमा 100) टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) रहीम का जीवन-वृत्त (ख) घनानन्द की प्रेमानुभूति (ग) रहीम के नीति विषयक दोहे (घ) रसखान के आराध्य (ङ) घनानन्द की सौन्दर्य-भावना (च) सूर की राधा (छ) रसखान की काव्य-कला (ज) रहीम की काव्य-भाषा
निम्नलिखित अतिलघूत्तरीय प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :
(क) विद्यापति की रचना है :
(i) साहित्य लहरी (ii) परमाल रासो (iii) कीर्तिलता (iv) संदेशरासक
(ख) संधि काल के कवि हैं :
(i) तुलसीदास (ii) विद्यापति (iii) भूषण (iv) मतिराम
(ग) 'सुजान सागर' के रचनाकार हैं :
(i) रहीम (ii) रसखान (iii) घनानन्द (iv) बिहारी
(घ) पुष्प वाटिका का प्रसंग 'रामचरित मानस' के किस कांड में वर्णित है?
(i) सुन्दरकांड (ii) अयोध्याकांड (iii) बालकांड (iv) उत्तरकांड
(ङ) रसखान की रचना है :
(i) बरवै नायिका भेद (ii) भाव विलास (iii) प्रेमवाटिका (iv) भवानी विलास
(च) 'कमल तंतु सो छीन अरु कठिन खड्ग की धार।
अति सूधो टेढ़ो बहुरि प्रेम पंथ अनिवार॥' किसकी पंक्तियाँ हैं?
(i) रहीम (ii) रसखान (iii) घनानन्द (iv) बिहारी
(छ) 'कोटिकहूँ कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं'—किसकी पंक्ति है?
(i) घनानन्द (ii) रसखान (iii) रहीम (iv) सेनापति

LNMUonline.com

LNMUonline.com

(छ) 'कोटिकहूँ कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं'—किसकी पंक्ति है?
(i) घनानन्द (ii) रसखान (iii) रहीम (iv) सेनापति

(ज) 'लोग हैं लागि कबित्त बनावत, मोहितो मेरे कवित्त बनावत'—किसकी पंक्ति है?
(i) रसखान (ii) घनानन्द (iii) मतिराम (iv) रहीम

(झ) 'रावरे रूप की रीति अनूप नयो नयो लागत ज्यों ज्यों निहारिए'— किसकी पंक्ति है?
(i) रहीम (ii) रसखान (iii) घनानन्द (iv) ठाकुर

(ञ) 'रामचरित मानस' का हृदय-स्थल किस काण्ड को कहा जाता है? LNMUonline.com
(i) बालकाण्ड (ii) सुन्दर काण्ड (iii) अयोध्या काण्ड (iv) लंका काण्ड

LNMUonline.com